



VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

ABHYAAS MAINS

निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250
Maximum Marks: 250

सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1492371

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : MUSKAN SRIVASTAVA

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी
Medium: Hindi/English

English

तारीख
Date

25th Aug
2023

निबंध ESSAY

केंद्र
Centre Kanpur
(27)
Kaplan Vidyamandir, colleges

निरीक्षक के हस्ताक्षर
Invigilator's Signature

महत्वपूर्ण अनुदेश उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Important Instructions Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1 (क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2 अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3 परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4 उत्तर अस्पष्ट अथवा मंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5 उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6 प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7 प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8 यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.



VISIONIAS
INSPIRING INNOVATION
ABHYAAS MAINS

निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएँगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

उम्मीदवारों को
इस क्षतिपूर्ति में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

• Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each :

125 x 2 = 250

खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

खण्ड - A / SECTION - A

उम्मीदवारों
इस दृष्टि
नहीं लिखन
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

It is easier to build strong children
than to repair broken men.

"He is the king's son. He will face no punishment." proclaimed Emperor Dritrashtira. Bhishma Pitamah had earlier informed him that his beloved son Duryodhan had poisoned his cousin Bhîem. It was imperative that the emperor should punish his 9-year old son so he does not repeat such a deed in future. But Dritrashtira declined. Decades later, Duryodhan had further

ambitions. He wanted to usurp the kingdoms of his cousins- the Pandavs. He invited them over for a 'friendly' dice game. With use of 'deception', he was able to win not only the game, but their territory and ~~they~~ their wife- Draupadi. And then happened the unthinkable - he tried to disrobe her in the full court. Dronashtra tried to stop him. - but he was not a child anymore.

This anecdote reflects that it was easier to build a strong child in form of Duryodhan, however there was ^{almost} ^{no} turning back when he grew up to become 'a broken man'.

But what does strong children and broken men even constitute? Why is it easier to build strong children than to repair broken men? Why do broken men exist? What are the ramifications for their existence? What is the way ahead? Let us explore.

Strong children and Broken men : The Dichotomy

उम्मीदवादी को
इस हिसाब में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Strong children does not mean the strength of body. Rather, it means the strength of mind. These are the children that learn the difference between right and wrong from an early age. Thus, when they grow up, they become strong men.

On the contrary, broken men are grown up adults, who have broken character and values. They may have a strong body but broken beliefs. In ~~it~~ all likelihood, they are the result of a broken childhood.

However, the question arises why it is easier to build strong children than to repair broken men?

Building strong children : The Rosier Path

उम्मीदवारों को
इस हार्शिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

It is easier to build strong children because no child is born broken. A child is not born with prejudice or bad habits. For instance, children going to kindergarden do not make friends on the basis of color or caste.

Similarly, children are impressionable. They are like clay ready to be moulded. In the book "How to kill a mocking bird", Atticus (the father) was able to raise his children Scout and Jem without the ideologies of racism, despite living in a deeply Racist village of 18th century America.

Moreover, if a child displays 'broken values', it is easier to correct the path at an early age. Gandhiji's story is a testimony to this fact. He wrote in his book 'My Experiments

With the Truth, that he got into a bad company. It was his parents that scolded him and shown him the right direction. Had they not, he wouldn't have become what he did.

On the other hand, it is difficult to ~~build~~ repair broken men. because it involves un-learning and relearning. It requires time and effort. This is the reason most of the serious crime offenders have ^{also} committed some crime before, according to NCRB. They are ~~less~~ more 'difficult' to reform.

Besides, when children transform into 'men' they form egoistic attitude. They tend not to listen to others. For example, Mandodari had pleaded against Sita's ~~at~~ abduction by Ravan numerous times. But he did not pay any heed.

~~But~~ If it is more difficult to repair broken men, why do they even exist? Let us explore.

उम्मीदवारों को इस हाथिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Broken Men : The Existence.

When 'broken men' have grown out of children, they are at the steering wheel of the ship of life. And as Socrates said "You preach what you know," they create more broken men.

Similarly, Einstein said, "Ours is a world of nuclear giants and unethical infants." Today's world is filled with dysfunctional values and rat race like life. With "Greed is good" philosophy of ever increasing consumerism, broken men are being produced every single minute.

Moreover, in today's hyperconnected and over-worked life, many broken

men are created due to mental health issues. For instance, India is the suicide capital of the world, with 36% of global share. We are in 'unhappy' category on Happiness Index. These unhappy people create a broken ~~soc~~ and apathetic society.

Also, sometimes it can happen that a child was strong but the circumstances forced him to become a broken person. As an example, Mikha Singh was orphaned by India-Pakistan partition. He was jailed and pursued theft before joining the army.

Having explored ~~the~~ the reasons for existence of the broken men, let us try to understand the implications of their existence.

Broken Men : The Ramifications.

उम्मीदवारों को
इस हार्डिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Swami Vivekanand said "losing your vision is worse than losing your eyes." A society full of broken men loses their its vision. The two women being paraded naked in Manipur is the testimony to this fact.

Similarly, broken men create a disharmonious society. Every difference in caste, creed or religion creates wide rift. For instance the religious riots in Muz, Haryana.

Moreover, technological advancement by such men may not be always for betterment of the human existence. Creation of atomic bombs, hypersonic missiles, machines for mass scale deforestation etc. are the reflection of the above.

Further, economic stability of a country is threatened by such men.

Nirav Modi, Harshad Mehta despite being highly educated were broken by their greed and this greed caused billions to India.

Besides, broken men create broken world, a world with conflict oriented world order. Cross-border terrorism by Pakistan or perennial wars by others, aren't the fact to this?

Having seen the implications of existence of ~~bad~~ broken men, it is clear we need to build stronger children. But how can we do so? Let us explore.

Strong Children: The Path Ahead

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

"While the children are 40% of global population, they are 100% of our future." Thus, building stronger children is of great significance. We can achieve this in following ways:-

Firstly, creating an amicable environment at home as it is "the first school" of any child.

Democratic parenting with the values of love and empathy can go a long way.

Secondly, focussing on value education. The Taittiriya Upanishad propounds system of Panch Kosha Education. It focusses on - physical, life force, intellectual, emotional and spiritual needs of a child. This

also been adopted by NEP of India.

Thirdly, children are great imitators, thus we ~~so~~ should give them something great to imitate. Adhering to personal morals can create positive impact on environment - demonstration effect for adults and observant learning for children.

Fourthly, we must make it easier for 'broken men' to reform. As a ^{lost} cricket match can be won at the last ball similarly, humans can reform. Thus, we need to move away from punitive social system to reformative social system.

To conclude, we discussed the meaning of broken men and strong children. It is to do with the values rather than physical strength. After exploring the reasons ~~of~~ why it is easier to build the stronger.

children than broken men, we saw ~~it is~~ ~~ramif~~ reasons for their existence and its ramification. The unethical society and unethical behaviour ~~is~~ are such reflection. However, ~~they~~ we can put a system that can help us building stronger children and make it easier for reformation of broken men.

उम्मीदवारों को
इस कक्ष में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Coming back to the story of Duryodhan, had Dronashtira punished him when he poisoned Bheem, he would have created a 'stronger child'. Had he punished him, he would have avoided the 'broken man' Duryodhan become and protected the dignity of Draupadi. Had he punished him, he would have avoided the greatest war of the history - 'Mahabharat' and his sons would have not wiped off from face of this earth.

खण्ड - B / SECTION - B

उम्मीदवारों को
इस हाशिए में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

Keep Your face to the Sunshine and
You Cannot See a Shadow

On a cold November night in 2019, at 2:00'o clock at night, millions of people were glued to their T.V. They were waiting for the soft landing of Chandrayaan-2 at the south pole of the moon. But their heart broke along with the ^{that of} 1 leaders of ISRO.

The next day, the team of ISRO and Indians were being ridiculed across the world. One media outlet of the USA

even compared the budget of the Hollywood movie gravity being more than that of Chandrayaan 2's. ~~the outlet~~

"obviously" knew it was going to fail.

उम्मीदवारों को
इस कक्षिका में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

Four years later, ISRO landed Chandrayaan 3 on the moon and created history by being the first to touch South pole of lunar surface.

This amazing feat of the ISRO clearly reflects how the Indian scientists kept their 'face in the sunshine' in aftermath of failure of Chandrayaan 2. They learnt from it and avoided 'seeing the shadow' of negative comments from around the world. This paid them huge ~~and~~ dividend in the form of sweet success of Chandrayaan 3!

However, the question arises what does keeping our face in sunshine ~~and~~ and not seeing a shadow even mean?

What happens if we do so? Why is it difficult to keep face in the sunshine and why sometimes shadow can be desirable? What is the way ahead? Let us explore.

The face in Sunshine.

According to laws of physics, the ~~of~~ shadow falls in the opposite direction from the object of illumination. Shadow is the source of 'dark' while 'object' is that of 'light'.

This can be applied to human life as well. 'Keeping the face in sunshine' thus means keeping our attitude positive. It means looking for great things ~~for~~ in life - happiness, love and compassion.

By such an orientation, we can avoid seeing the 'shadows' of life. These are constituted by the

negativity and sorrow.

उम्मीदवारों को
इस इच्छा में
नहीं लिखना
चाहिए
Candidates
must not
write on
this margin

But the question arises what happens if we keep ~~of~~ our face towards sunshine? What are its ramifications? let us explore.

TOWARDS THE SUNSHINE : THE IMPLICATION

What happens when a bullet pierces a 20 year old with a chance of permanent paralysis? Most will say that his life will be very difficult ahead. But Sandeep Singh, defied this notion by becoming the captain of Indian hockey team. His positive attitude helped him not only survive a gunshot but become an inspiration to others. Thus, keeping our face in the sunshine help us counter adverse situation.

Similarly, it also comes with added benefits of longevity. The

study of Blue Zones of the world
(the geographical areas with highest
life expectancy) reveal an astounding
fact. It shows that most of such
zones are islands - like Okinawa (Japan)
Sardinia (Italy) with limited resources.
But on closer look one finds, that it
is their positive attitude that contribute
towards their long and happy life.

In the same manner, there is an
Indian folk story of three builders.
A passerby asked the 1st person builder -
what was he doing. He replied, "can't
you see I am laying down bricks".
He asked the second, "he replied, "
I am earning a living." He asked
the third, He replied, "I am
building a beautiful monument!" The

point is, the attitude determines the
quality of one's work. It increases
the productivity and gives a fulfilling
career.

Further, keeping face in sunshine to avoid shadow helps to find innovative solutions in wake of resource crunch.

For instance, Armstrong Pame, an IAS officer in NE India, built a road with the help of crowdfunding in wake of limitation of public resources.

Moreover, such orientation helps in achievements of goals and doing the impossible. Hellen Keller, was deaf and blind. But her mantra of "Keeping Your face to the sunshine and you cannot see a shadow." helped her gain education and become a writer.

But the question arises ~~are~~ ^{are} there time when we forget to keep our face in the ~~sunshine~~ sunshine? Also, is there a role of shadow? Let us find out.

TIMES OF DISTRESS

There are times which are unpredictable and we do not know what future holds for us. In such times, it becomes very difficult to keep our face in the sunshine. ~~For~~ for instance, the covid lockdowns in 2020, humans around the world were hanging in uncertainty. This resulted in widespread mental health problems and "shadow pandemic".

Similarly, repeated failures tests the limit of human existence. Thus, one starts keeping face away from the sunshine. The Increasing deaths in the coaching hub of Kota is testimony to this fact. Students find it easier to hang themselves than to tell their parents about their declining scores.

further, today's world is a drifting one. With news of crimes in the locality to the war between countries, it is difficult to remain unaffected.

However, few people also suggest that such 'shadows' help in evolution of human societies. It helps us redesign 'lives' priorities. It also gives us strength to overcome similar situations in future. For example, one of the important criteria of selection in Australian NAVY SEALS is that the person should have faced rejection in the life. It gives them ability to handle future crisis.

Thus, 'shadows' are not all bad as long as we learn from them and they do turn into bad attitude. Dale Carnegie said, "There is no worse adversity than a

bad attitude. So keep it in check."

However, how can we balance both the shadows and keeping face in sunshine? How to avoid breaking down in the times of distress? let us see.

KEEPING THE FACE IN SUNSHINE AND BALANCING ACT OF SHADOWS

Practising self awareness can help us in the long run. According to Aristotle "All wisdom ~~becomes~~ begins with self awareness." It helps us identify our emotions and replace the negative ones with positive ones. for example Ed-Sheeren identified that smartphones impacted his mental health, thus he has been phone-free for decade now.

Similarly, self-regulation and emotional intelligence helps us to counter

adverse and uncertain situations like Covid lock downs. According to Bhagwat Geeta, humans should aspire to remain unperturbed in the face of calamity.

Further, we need to create an empathetic and compassionate society. We need to give acceptance to others. Such systems can help in curbing Kota suicides like situations. It will serve as an outlet for grievance in a world of rat-race.

Besides, there is ~~can~~ be role of media in spreading positivity. It creates ~~an~~ a wave of hope and optimism in the nation. For this reason, Government of India has directed the TV channels to display content of national importance ³⁰ mins daily.

To conclude, keeping face in sunshine means forming a positive attitude towards life. It helps in avoiding 'shadows' of 'negativity' and distress. Such positive attitude helps in achieving personal and societal goals. However, at times it becomes difficult to keep such positivity. Sometimes, it is even desirable to have 'shadows' of distress to better prepare for future. There are ways to balance to the both 'shadows' and 'importance of keeping face in sunshine.'

Coming back to the story of Chandrayaan missions. This achievement of ISRO is reminder to billions of Indians no matter how hard you fail we can always come back. "There is a miracle in a disaster."

It destroys your mistakes and gives you a chance to start anew."

This is what are scientist did ,

They kept their face in the sunshine.

They kept their positive attitude and showcased to the world that you just need 'never say never orientation' to touch the moon!

SPACE FOR ROUGH WORK

→ Ditrashtra's story

(1) easier to build strong children than to repair broken men

Why do broken men exist?
→ bad person
→ Aggrieved

(D1) Strong children v/s Broken men.

(D2) Why it is easier to build strong children than broken men?

② impressionable - How to kill a mocking bird
• Men → ^{difficult} easier to break attitude → build - rebuild
↳ learning - relearning
• children are not 'born bad'
• clean slate
• anki galtiya sudhar sili.
• If grow up don't tend to listen to others
↳ formative Egoistic attitude
↳ more movie example
• Broken men - come @ desistna making p

(D4) Implication of Broken Men / Need of FA / ~~Contemporary Relevance~~

↳ Unethical society → Manipur Violence case
↳ Disharmony in society. → Atomic Bomb
↳ Bad scientific advancement
↳ Personal / Mental health issues
↳ International Conflict

• Unjust laws
• corrupt

(D3) Why do broken men exist?
① Ours is wo
② of
③ Mental Health
④ was strong b became broken

(D4) Need of strong children in today's context

↳ Prospects of strong children
↳ grow up into stronger beings
↳ virtuous

Children 40% of our future

(D5) Way forward (How to build them)
↳ Socialization becomes @ home → values
↳ Observant learners - 'something great to imitate'
↳ Bankasha system
↳ easier for broken men to reform

~~Hellen Keller~~

SPACE FOR ROUGH WORK

~~Chandrayaan 3~~

Keep your face in the Sun shine and You cannot see a shadow. ② ②

True attitude ⇒ ②

Sunshine and Shadow meaning ①

↓
towards
brightness
↓
happiness
What can I do?

↓
darkness

Hellen Keller

1914 → Deen

↳ Edison
workshop

② Why should I keep face in Sunshine?

③ True attitude → helps counter adverse situation | Sandeep Singh En.

④ ↑ Longevity → Blue Zones of Earth.

⑤ Leadership → Amstrong Fame

⑥ Self Motivation

⑦ Self Achievements / goals → Chandrayaan 3

Hellen Keller

↳ learned from mistake of Chandrayaan 2

⑧ Strong bridge

↑
productivity

⑧ Role of Shadow?

Why do people not keep their face in Sunshine.

① Afraid

② Emotional & mental

③ Circumstances

Role of Shadow

① Bahut Kushi

Australia Marine



SPACE FOR ROUGH WORK

AL